RNI No.-UPHIN2016/70155

के.डी.न्यूज

साप्ताहिक
हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष–04 अंक–32 सुलतानपुर, 28 दिसम्बर 2019 पृष्ठ : 08 मूल्य : 3.00 रुपये

अटल बिहारी वाजपेयी की 25 फीट ऊँची कांस्य प्रतिमा का हुआ अनावरण

आयुष्मान भारत योजनान्तर्गत 70लाख लोगों का हो चुका है इलाज : प्रधानमंत्री

रायबरेली। राष्ट्रवाद के प्रणेता, सुशासन के संवाहक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 96वीं जयन्ती पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आदि गणमान्यजनों ने राजधानी के लोकभवन प्रांगण में शत्–शत् नमन के साथ ही श्रद्धासुमन अर्पित किये। प्रधानमंत्री ने लोक भवन प्रांगण में 25 फीट ऊँची अटल बिहारी वाजपेयी जी की कांस्य प्रतिमा का अनावरण एवं अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश चक गंजरिया सुल्तानपुर रोड का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास भी किया। आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सूचना विभाग से आई एलईडी वैन के माध्यम से लखनऊ रोड स्थित सेन्टपीटर्स स्कूल व चर्च के सामने किया गया। सीधा सजीव प्रसारण दूरदर्शन टीवी के माध्यम से जनपद के जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना, पुलिस अधीक्षक स्वप्निल ममगाई, मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही जनपद के बुद्धिजीवियों, आम जन द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का सीधा प्रसारण भी सुना। अधिवक्तागण, नागरिक, ग्रामीण जनता, बुद्धिजीवियों अन्य कर्मचारियों ने भी प्रसारण सुनकर अपने विचार व्यक्त किये। सजीव प्रसारण में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का अनुकरणीय नेतृत्व था, जिसने 21वीं शताब्दी के मजबूत एवं खुशहाल भारत की नींव रखी। उनकी दूरदर्शी नीतियों ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक भारतीय के जीवन को छुआ है। उन्होंने कहा कि अटल जी कहते थे कि हर पीड़ी का मूल्यांकन दो बातो से होगा एक मापदण्ड और उसका सम्मान उन्होंने जो रास्ता दिखाया व एक सुशासन के संवाहक का रहा था जिससे विरास्त में समस्याओं को सुलझाया गया है। आर्टिकल 370 कितनी पुरानी बीमारी थी जो कठिन थी जो कि हमें विरास्त में मिली थी उसे सुलझाया, रामजन्म भूमि के पूराने मामले को भी शान्तिपूर्वक समाधान किया गया इसके अलावा गरीब शरणार्थियों के मामले को भी आसानी के साथ सुलझाया जा रहा है। देश प्रदेश में निरन्तर विकास के कार्य किये जा रहे है। चुनौतियों को चुनौतियां देने का एक भी मौका नही छोड़ा है। 2 करोड़ लोगों को आवास दिया गया है 2022 तक हर गरीब व्यक्तियों को पक्का मकान मिल जायेगा। सबको आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन, विद्युत आदि योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया गया है। अटल जलयोजना का शुभारम्भ किया गया। जिसमें 7 प्रदेश के भूगर्भ के जल स्तर को सुधारने का कार्य किया जायेगा। 2024 तक हर घर को जल आदि मुहैया कराकर न्यू इण्डिया को प्रगति की ओर ले जाना ही हमारा संकल्प के साथ ही न्यू इण्डिया की मजबूत नीव भी तैयार हो रही है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ सरकार कार्य कर रही है। सरकार उलझाने के बजाये सुलझाने का कार्य करें। सरकारी कार्यो में पारदर्शिता के साथ ही लोगों की सेवा भी हो रही है। उन्होनें कहा कि जीवन को टुकड़ों में नही देखा जा सकता उसको समग्रता में देखने की जरूरत है। यही सिद्धांत सरकार व गुड गवर्नेस पर भी लागू होती है। हम सुशासन की दौर की तरफ बढ़ रहे है जनता किसी भी समस्या के लिए आवेदन न करे बल्कि सरकार जनता के द्वार पर जाकर उसकी समस्याओं के बारे में पूछे और उसका निराकरण करे।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजनान्तर्गत 70 लाख से अधिक लोगों का इलाज हो चुका है यह दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। यह जन सेवा के क्षेत्र में देश में अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। जो उत्तर प्रदेश में बढ़चढ़ कर देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य आपका साथ हमारा के तहत बीमार न रहेगा अब लाचार, बीमारी का होगा मुफ्त उपचार आयुषमान भारत में अनेक लाभार्थियों को विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना पीएम–जय से बन रहा है भारत ''आयुषमान'' जिसके तहत पहली बार देश के इतिहास में प्रधानमंत्री जन–आरोग्य योजना के अन्तर्गत करोड़ों वंचित भारतवासियों को स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित कराई गई है। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित सहित राज्य व केबिनेट मंत्री अधिकारीगण उपस्थित थे। एलईडी वैन के माध्यम से दिखाये जा रहे कार्यक्रम को क्रिसमस पर आये सेकड़ों आमजन व आनेजाने लोगों के साथ ही फादर लुईस ने भी सजीव प्रसारण के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन को सुना।

अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरे के कामों का फीता काटने वालों को ध्यान रखना चाहिए कि जनता उनका पत्ता काटने के लिए तैयार बैठी है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार के समय लोकभवन का निर्माण और लोकार्पण हुआ। लोकभवन से लोक प्रशासन चलता है और जनसेवा की नीतियां बनती है। सुशासन का संदेश यहां से जाता है। लेकिन यहां ढाई वर्ष से ऐसा दल सत्तारूढ़ है जिसे जनसेवा से कोई लेना–देना नहीं है। दूसरे के कामों का फीता काटने वालों को ध्यान रखना चाहिए कि जनता उनका पत्ता काटने के लिए तैयार बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में लोकभवन से अन्यायपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं और निर्दोषों का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो सरकार जनता को दुःख–दर्द पहुंचाती है, लोकतंत्र में जनता भी समय आने पर अपना निर्णय करने में झिझकती नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने खुद ही राज्यसभा में कहा है कि एनपीआर ही एनआरसी का आधार होगा तो ये भाजपाई कितना गलत बोलकर गुमराह करेंगे। इनके छिपे उद्देश्यों का अब भंडाफोड़ हो चुका है। सीएए, एनआरसी, एनपीआर जनता के लिए समस्या बनकर आई है। यह सामाजिक न्याय की अवधारणा के खिलाफ साजिश है। सपा मुखिया ने हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बीमारी का घर बना दिया है और आयुष्मान भारत योजना फर्जी है। 70 लाख लोगों को निःशुल्क इलाज कहां से मिल गया जबकि जन औषधि केन्द्रों में पर्याप्त दवाइयां ही उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने सवाल किया कि बेहतर सड़क, शिक्षा, परिवहन और चिकित्सा सुविधाएं कहां है? किसानों और नौजवानों की जिंदगी में अंधेरा छाया है। ये कैसा भ्रमजाल है या तो सरकार भ्रमित है अथवा जनता को भ्रमित करने को अपनी सफलता मानती है। उन्होंने कहा कि सुशासन, विकास और सबके विश्वास की बातें तो भाजपा नेता बढ़ चढ़कर करते है पर सच्चाई यह है कि भाजपा में सेवा का संस्कार ही नहीं है। हर व्यक्ति मुश्किल में फंसा है। सुशासन का अर्थ तो सरकारी दखल कम होने का है।

आवश्यकता है

के.डी.न्यूज समाचार पत्र/पोर्टल हेतु ब्लाक संवाददाता, व तहसील संवाददाता की आवश्यकता है।

–सम्पादक
के.डी.न्यूज
मो. 9415739288, 9721748962

सम्पादकीय

अपनी मिसाल आप ही थे अटल

देश के दसवें प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उनकी स्मृतियां ताजा की जायें, तो पहली बात यही याद आती है कि नेता के तौर पर उन्हें अपनी पार्टी से बाहर जो स्वीकार्यता हासिल थी, वह आज के समय में दुर्लभ हो चली है। अपने संसदीय कुशलता और कविताओं के लिए तो खैर वह प्रधानमंत्री बनने से बहुत पहले से जाने जाते थे। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा अटल के प्रधानमंत्री बनने की बहुप्रचारित भविष्यवाणी को छोड़ भी दें, तो उनकी पार्टी के कट्टर आलोचक वामपंथी दल तक उन्हें 'राइटमैन इन रांग पार्टी' कहते थे। अटल खुद भी इस स्वीकृति का महत्व समझते थे। इसीलिए 16 मई, 1996 को वे पहली बार केंद्र में

अल्पमत सरकार के प्रधानमंत्री बने, तो उसके विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में कहा था, 'किसी ने कहा कि मैं आदमी तो अच्छा हूं, पर गलत पार्टी में हूं। वे बतायें कि ऐसे अच्छे आदमी का वे क्या करने का इरादा रखते हैं?' इससे पहले प्रख्यात लेखक खुशवंत सिंह ने भी उन्हें 'राइटमैन इन रांग पार्टी' बताया, तो उनका जवाब था– 'फल अच्छा है तो पेड़ खराब नहीं हो सकता। अगर मैं अच्छा आदमी हूं, तो गलत पार्टी में कैसे हो सकता हूं? और अगर गलत पार्टी में हूं, तो अच्छा आदमी कैसे हो सकता हूं?'छह दिसंबर, 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ध्वंस के बाद 'राजनीतिक अछूत'–सी हो चली उनकी पार्टी इस निजी स्वीकार्यता के ही बूते राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बनाकर केंद्र में पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने और उसे पांच साल चलाने का सपना साकार कर पायी थी। आगे चलकर अपनी तीन पारियों में वे जितने वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे, विपक्ष ने उनकी रीति–नीति की भरपूर नीतिगत आलोचनाएं कीं, तो यह उसका अधिकार भी था और कर्तव्य भी। लेकिन विपक्ष ने कभी उन पर व्यक्तिगत हमले नहीं किये। ज्यादा से ज्यादा यह कहा कि उनकी उदार छवि का लाभ भी उनकी पार्टी के अनुदारवादी ही उठाते हैं। विडंबना यह कि उन दिनों अटल पर जितने भी निजी हमले हुए, वे भाजपा या संघ परिवार के आनुषंगिक संगठनों ने ही किये। भारतीय मजदूर संघ के दत्तोपंत ठेंगड़ी ने तो उन्हें भारत के इतिहास का सबसे कमजोर प्रधानमंत्री कहने से भी परहेज नहीं किया। तब भी विपक्ष की ओर से यही कहा गया कि यह भाजपा की चाल है, जिसके तहत वह सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका हथिया लेना चाहती है।थोड़ा पीछे जाकर देखें, तो छह अप्रैल, 1980 को भाजपा की स्थापना के वक्त मुस्लिमों के लिए उसकी सदस्यता के दरवाजे अटल के ही प्रयासों ने खोले थे, जो उसके पूर्वावतार जनसंघ में से बंद थे। अपने प्रधानमंत्रित्व के दौर में अटल नवाबों की नगरी लखनऊ के सांसद हुआ करते थे और रोजा–अफ्तारों व ईद–मिलन समारोहों में आपादमस्तक उसकी गंगा–जमुनी तहजीब में रंगे नजर आते थे। उनके निकट ईद और होली दोनों गले मिलने के त्यौहार थे। मार्च, 2017 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ उनकी इस गंगा जमुनी परंपरा को आगे बढ़ाने में 'परेशानी' महसूस करने लगे, तो लखनऊ के लोगों को 'अपने अटल जी' की बहुत याद आयी थी। तब भी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर रोजा–आफ्तार कराने की परंपरा तोड़ डाली। उनकी सरकार ने जम्मू–कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देनेवाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करके उसका राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया, तो भी उसकी आलोचनाओं व प्रशंसाओं के बीच बार–बार याद किया गया कि प्रधानमंत्री रहते अटल ने वहां के निवासियों को जम्हूरियत, कश्मीरियत व इंसानियत का पैगाम दिया था। उनकी दृढ़ मान्यता थी, 'सत्ता का खेल चलता रहेगा, सरकारें आयेंगी, जायेंगी, पार्टियां बनेंगी–बिगड़ेंगी, मगर यह देश रहना चाहिए, इस देश का लोकतंत्र रहना चाहिए।'फरवरी, 1991 में जयपुर में भाजपा की राष्ट्रीय परिषद होनेवाली थी। उस वक्त चर्चा जोरों पर थी कि अटल मार्जिनलाइज कर दिये गये हैं। इस बाबत उनसे पूछा गया, तो वे अपने परिचित अंदाज में बोले, 'कभी–कभी करेक्शन करने के लिए मार्जिन का इस्तेमाल करना पड़ता है।' मतलब साफ है कि जब भी भाजपा सही राह से भटक जाती थी, वे हाशिये में रहकर भी उसकी गलतियां सुधारते रहते थे। सवाल यह है कि अब जब वे नहीं हैं और कई बार भाजपा उनकी दिखायी राह से दूर जाती हुई दिखती है, वह उसे कभी इस अपने इस नायक को उसका 'ड्यू' देना गवारा होगा या नहीं? उन्हें 'भारतरत्न' से विभूषित करा देना, कुछ योजनाओं से उनका नाम जोड़वा देना और कहीं उनकी मूर्ति लगवा देना इस 'ड्यू' का विकल्प नहीं हो सकता। खासकर जब यह धारणा गहराती जा रही है कि नरेंद्र मोदी की भाजपा अब अटल और आडवाणी की भाजपा नहीं रह गयी है। इस नयी भाजपा की चाल, चेहरा और चरित्र सब बदल गये हैं।क्या पता आज अगर अटल हमारे बीच होते, तो भाजपा नेताओं को विरोधियों से दुश्मनों जैसा सलूक करते देखकर क्या महसूस करते। वैसा ही कुछ, जिसके चलते एक बार उन्हें कहना पड़ा था, 'कभी–कभी मैं समझ नहीं पाता कि क्या बोलूं और किसके सामने बोलूं? जिन्हें सुनाना चाहता हूं वे सुनते नहीं, जो सुनते हैं, वे समझ नहीं पाते और जो समझ पाते हैं, वे जवाब ही नहीं देते।'

गांधी के सत्याग्रह ने फिर से दी है निरंकुश सत्ता को चुनौती

अंकित "राधे"

यह एक जबरदस्त संयोग बना है कि आजाद भारत में महात्मा गांधी के ईजाद किए गए सत्याग्रह को एक बार फिर से देश आजमा रहा है। उसकी महत्ता तो इन 72 वर्षों में कई बार साबित हुई है लेकिन असम के एनआरसी और पूरे देश के लिए घोषित किए गए सीएए के खिलाफ जिस प्रकार से आम जनता उठ खड़ी हुई है, स्वर्ग में बैठे महात्मा गांधी भी निश्चित रूप से मुस्कुरा रहे होंगे। इसने एक बार फिर से जनता की शक्ति को आजमाने का मौका दिया है। स्वतंत्रता की लड़ाई में जिस प्रकार बापू ने लोगों को निर्भीक होकर निरंकुशता को चुनौती देना सिखाया था, उस जैसा मंजर हमारे सामने फिर उपस्थित हुआ है। प्रकारांतर से, कुछ कमीवेशी के साथ। पिछले 6 वर्षों से देश की केन्द्रीय सत्ता किसी मदमस्त हाथी की तरह जनता के साथ व्यवहार करती आ रही है। बहुमत के जोर पर लोगों को हांकने की प्रवृत्ति बड़े बहुमत के साथ लौटने पर और भी बलवती हो गई है। निरंकुश सत्ता का यह हाथी लोकतंत्र की बगिया को रौंदता हुआ चल रहा है– सामने आने वाले नागरिक और उनके अधिकारों को मनमाने और एकतरफा निर्णयों से कुचलता हुआ। राष्ट्रवाद, धर्म, सांप्रदायिकता के नाम पर न सिर्फ राजनैतिक शक्ति को उसने अपने हाथों में ले लिया बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी वह चबा रहा है। जैसा कि कहा गया है सत्ता शक्ति पाती है और अधिक बलशाली सत्ता निरंकुश होने लगती है, यह भूलकर कि यह ताकत उसे जनता से ही प्राप्त हुई है। वर्चस्व और निरंकुशता को बहुमत का विशेष अधिकार मानने के बाद ज्यादातर शासकों को यह लगता है कि उनका विरोध करने वाला कोई नहीं रह गया है। देश ने आपातकाल का भी ऐसा विरोध नहीं देखा क्योंकि लोग अलग–अलग मुद्दों को लेकर लड़ तो रहे थे लेकिन उनके संगठित प्रतिरोध के पहले ही आपातकाल लगा दिया गया था और ज्यादातर शीर्ष नेता और स्थानीय नेतृत्व सलाखों के पीछे था। 2012 में पूरा देश फिर सत्ता के सामने तनकर खड़ा हुआ था लेकिन उसका प्रयोजन उस समय बहुत सीमित था– भ्रष्टाचार निरोधक कानून। पिछली सरकारों से सबक लिए बिना और विशाल बहुमत के अहंकार में चूर इस सत्ता ने नोटबंदी, जीएसटी जैसे अनेक कानून संसद या जनता से चर्चा किए बगैर लाद दिए गए। पार्टी समर्थकों से भी ताकत बटोरकर इन्हें लागू किया गया। लगातार बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी के सामने बेअसर होती योजनाओं के कारण लोग त्रस्त तो हैं परंतु अनेक तरह के चुनावी प्रबंधों के बल पर यह सत्ता जब लौटी, उसने जो नए फैसले लिए, उनसे जनता की दिक्कतें तो बढ़ीं ही, सामाजिक ताना–बाना ही खतरे में आ गया। संविधान की बड़ी अवमानना की गई। इस सरकार के दूसरे संस्करण में जो भी बड़े फैसले लिए गए उसके निशाने पर समाज के कमजोर वर्ग और अल्पसंख्यक आए हैं। इनके लिए न जनता के बीच चर्चा की गई और न ही पर्याप्त स्पष्टीकरण दिए गए। सत्ता ने जनता को अपनी जेब में ही डला हुआ समझ लिया। असम में लाए गए राष्ट्रीय नागरिकता पंजीयक (नेशनल सिटीजनशिप रजिस्टर) से जब अल्पसंख्यकों से कहीं अधिक बहुसंख्यक ही बाहर हो गए, वह पूरी कवायद ही बेकार हो गई क्योंकि उसका उद्देश्य तो सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करना था। इसे चेतावनी या सबक के रूप में लेने की बजाय सत्ता ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर नागरिकता संशोधन कानून लागू करने का ऐलान कर दिया। इसका भी उद्देश्य अप्रत्यक्ष रूप से देश का सांप्रदायिक विभाजन कर अपनी सत्ता को निर्बाधित–अखंडित रखना है। यहां जनता का गांधी उठ खड़ा हुआ। दक्षिण अफ्रीका में उनके द्वारा 1906 में चलाए गए नागरिकता कानून के विरोध का भारत में सीन रिक्रिएट हो गया। गांधी की आजन्म खिलाफत करने वाली शक्तियों ने उनको 30 जनवरी, 1948 से ही मरा हुआ समझ लिया था। चुनिंदा विश्वविद्यालयों से उठी प्रतिरोध की आग देश भर के छात्रों और युवाओं के साथ नागरिकों में धधक रही है, जिसकी आंच अब सत्ता तक पहुंचने लगी है। इसका प्रमाण है रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान से यह जाहिर करना कि अभी इस पर कोई चर्चा तक नहीं हुई है। निरंकुश सत्ताएं सौ–सौ जुबानों से झूठ बोलती आई हैं। एक ओर संसद और न्यायालयों में डिटेंशन सेंटर खोले जाने की बात को स्वीकारने वाली एक जिव्हा तथा अपने भाषण में कहीं भी ऐसा केन्द्र न होने का ऐलान करने वाली दूसरी वाणी। साथ ही, सोमवार को इस फरेब को रचने वाली ताकत के हाथ से एक और राज्य की पराजय ने बतला दिया है कि इस सत्ता के साथ गांधी संसद के भीतर और बाहर दो–दो हाथ करने के लिए तैयार हैं। बापू के 150वें जयंती वर्ष में उन्हीं से शक्ति प्राप्त कर लाठियों–गोलियों का डर भुलाकर जनता आज सड़कों पर उतर आई है। जैसा कि हर तानाशाह मानता है कि वह गलती नहीं कर सकता तथा जनता को वह दबा देगा, हमारे सत्ताधीश भी इसी मुगालते में हैं। गांधी ने जो काम वर्षों पहले किया था, वही कारनामा वे आज फिर कर रहे हैं– लोगों के मन से भय को खत्म करना। सत्याग्रह का फार्मूला आजमाया हुआ है। वह फिर सही साबित होगा, इसमें किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए। लोगों ने एक तरफ तो अपना डर खत्म कर दिया है, वहीं दूसरी ओर वे देश के सामाजिक ताने–बाने को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए कटिबद्ध दिखाई दे रहे हैं। देश का बहुसंख्यक आज अल्पसंख्यकों के लिए वैसे ही ढाल बनकर खड़ा हो गया है, जैसे आजादी के बाद हुए दंगों के समय बापू कोलकाता और नवाखाली में उनकी रक्षा के लिए तैनात थे। इस अघोषित और किसी नेता के बिना किए जा रहे देशव्यापी प्रतिरोध का रूप वैसा ही है, जिस प्रकार 1942 में ज्यादातर नेताओं को जेलों में डाल दिए जाने के बाद भी स्वतंत्रता का आंदोलन आम जनता के द्वारा जारी रखा गया था। सामाजिक एकता का जो रूप आज देखने को मिल रहा है, वह भी नायाब है और देश की सांझी विरासत में वेल्यू एडिशन। यह विरोध अनेक संभावनाओं के द्वार खोलता है। देश की राजनीति को नए खून की जरूरत है। आजादी के बाद के प्रारंभिक वर्षों के हमारे नैतिकतावादी नेतृत्व को छोड़ दिया जाए तो पिछला कम से कम साढ़े चार–पांच दशक निराशा का रहा है जब हमारे सामूहिक और व्यक्तिगत जीवन को परंपरागत राजनीति ने तबाह कर दिया है। सभी तरह की राजनैतिक पार्टियों और सरकारों ने इस बर्बादी में कमोवेश अपना योगदान ही दिया है लेकिन पिछला पांच–छह वर्षों का कार्यकाल मानवीय जीवन के सभी क्षेत्रों में भारी गिरावट और क्षरण का कालखंड रहा है।लोकतंत्र के सारे पाये, संस्थाएं, राजनैतिक संगठन, नागरिक चेतना, स्वतंत्रता, सहअस्तित्व की भावना, भाईचारा विनष्ट हो चला है। सारे राष्ट्रीय लक्ष्य उग्र राष्ट्रवाद, आक्रामक धार्मिकता, अमर्यादित पूंजी–विस्तार, पाखंड, अंधविश्वास और दिखावे के इर्द–गिर्द सिमट गए हैं। जिन बुनियादी मुद्दों पर गांधी का ध्यान था और जो आजादी के बाद देश के समक्ष मानवीय गरिमा के अनुकूल नागरिकों को सशक्त बनाने के प्रयोजन थे, वे नई व्यवस्था में चौपट हो गये। प्रारंभिक दौर पर तो सारा कुछ सुहाना सा प्रतीत होता रहा लेकिन देश की गिरती अर्थव्यवस्था ने जब जीवन को दुरूह बना दिया, भारत शायद नींद से जाग उठा है। बेशक, कुछ लोग अब भी अपने निजी कारणों से या तो सत्ता के साथ हैं अथवा इस स्थिति को बनाए रखना चाहते हैं। वे ही इसके दमन के हिमायती हैं, जिनके लिए देशवासियों के सुनहरे भविष्य और सहअस्तित्वपूर्ण जीवन प्रणाली के मुकाबले उनका श्रेष्ठीभाव और सामाजिक अगुवाई की आकांक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। हालांकि इन प्रदर्शनों में हो रही हिंसा गांधी भावना के एकदम विपरीत है, जिसे तत्काल खत्म होना चाहिए। हालांकि कुछ हिंसक घटनाओं में पाया गया कि वे विरोधी संगठनों द्वारा की गई हैं और कुछ जगह तो पुलिस भी इसमें शामिल रही है। पुलिस की ज्यादतियों को सहना तथा अवांछित तत्वों को रोकना भी प्रदर्शनकारियों की ही जिम्मेदारी है। प्रत्युत्तर में कोई भी हिंसा अस्वीकार्य होगी जो इस आंदोलन के उद्देश्य को तो नष्ट करेगी ही, सत्ता को दमन का रास्ता भी देगी। इन 6 वर्षों में भारत सत्ता के नारों के खोखलेपन को समझ गया, जिसका परिणाम स्वायत्त रूप से देश में जारी प्रदर्शन है। नईं बनी सामाजिक एका और रूढ़िवादी राजनीति से सदा–सर्वदा के लिए छुटकारा पाकर खुशहाल भारत की ओर आम जनता को कदम बढ़ाना होगा। 150वें वर्ष में बापू का लौटना तभी सार्थक और सुखकारी होगा। गांधी की मुस्कुराहट को बनाए रखना ही इस प्रतिरोध की सफलता होगी।

परीक्षा केन्द्र निर्धारण में हुई अनियमिता

– जिला विद्यालय निरीक्षक ने किया मानको को दर–किनार
– जिलाधिकारी ने कार्यवाही हेतु शासन को लिखा पत्र

सुलतानपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जनपद में बोर्ड परीक्षा 2020 में बनाये जा रहे परीक्षा केन्द्रों में अनियमितता बरते जाने एवं तथ्यों को छिपाकर नियम विरूद्ध सूचनायें शासन को भेजे जाने को गम्भीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती ने जिला विद्यालय निरीक्षक के खिलाफ कार्यवाही हेतु शासन को पत्र प्रेषित किया है। जनपद में यूपी बोर्ड परीक्षा 2020 के परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा बरती जा रही अनियमितता के सम्बन्ध में जिले के पॉच विद्यालयों महादेवी बालिका इंटर कालेज गढ़ऊपुर, श्रीमती शोभावती देवी बालिका इंटर कालेज रघुनाथ नगर घाटमपुर, छविराजी बालिका इंटर कालेज छरौली, शि0कु0 बालिका इंटर कालेज बिझूरी तथा श्रीमती शोभावती देवी आदर्श इंटर कालेज बसहा दोस्तपुर की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य राजस्व अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए की संयुक्त समिति से जॉच करायी। जॉच में महादेवी बालिका इंटर कालेज में शासन के केन्द्र निर्धारण हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्त सम्बन्धी शासनादेश का अनुपालन नहीं किया गया। शोभावती देवी बालिका इंटर कालेज से अनुचित लाभ नहीं मिलने पर बोर्ड का परीक्षा सेंटर नहीं बनाये जाने में बल पाया गया है। वहीं शान्ती देवी इंटर कालेज कादीपुर को परीक्षा केन्द्र बना दिया गया है, जिसके बिल्कुल ऊपर से 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन गयी है, जो कि निर्धारित मापदण्डों के विपरीत है। इसी प्रकार अन्य विद्यालयों में भी मार्गदर्शी सिद्धान्तों का परीक्षा केन्द्र निर्धारण में अनुपालन नहीं किया गया। जॉच आख्या के अनुसार जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा शासन स्तर से नामित सदस्योंध उप जिलाधिकारियों की आख्या को भी नकारा गया। माध्यमिक शिक्षा परिषद से जारी 109 केन्द्रों की सूची में भी मनमाने तरीके से एक सहायता प्राप्त एवं 10 वित्तविहीन विद्यालयों को कम करते हुए एक सहायता प्राप्त व सात वित्तविहीन विद्यालयों को प्रथक से सम्मिलित करते हुए 106 केन्द्रों को अनुमोदन हेतु जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत कर दी गयी। साथ ही स्वीकृति न प्राप्त करते हुए केन्द्रों की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी। शासन के निर्देशों के बावजूद जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 9:30 बजे से 10:30 बजे तक कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करते नहीं पाया गया। जो शासन के आदेशों का घोर उल्लंघन है। उनकी सत्यनिष्ठा भी संदिग्ध पायी गयी है। प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा उ0प्र0 शासन को जिला विद्यालय निरीक्षक नरेंन्द्र देव पाण्डेय के विरूद्ध विधिक एवं विभागीय कार्यवाही किये जाने की संस्तुति सहित पत्र भेजा है।

सरकौड़ा ग्राम सभा में विद्युत उपकेंद्र का हुआ शुभारंभ

– निर्विवाद रूप से ग्रामीणों को मिलेगी बिजली रामचंद्र मिश्रा
– विद्युत उप केंद्र खुलने से किसानों को मिलेगा लाभ मेनका गांधी

सुल्तानपुर। सरकौड़ा ग्राम सभा में विद्युत उपकेंद्र के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी काशी प्रांत के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रामचंद्र मिश्रा ने कहा कि लगभग 40 ग्राम सभा वासियों को निर्विवाद रूप से विद्युत की आपूर्ति मिलेगी इस विद्युत उपकेंद्र के शुरू हो जाने से क्षेत्रीय जनता को काफी राहत मिलेगी क्षेत्र के किसानों को समय से पानी मिलेगा जब बिजली मिलेगी तो किसानों की उन्नति भी होगी सभी के सहयोग से यह कार्य संभव हो पाया है जिसमें ऊर्जा मंत्री का विशेष सहयोग मिला उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए ऊर्जा राज्यमंत्री ने कहा कि रामचंद्र मिश्रा के अथक प्रयास से यह कार्य संभव हो पाया हमारी सरकार ग्रामीण स्तर से लेकर शहर तक के सभी लोगों को अधिक से अधिक बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रयत्नशील है खासकर के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को समय से विद्युत आपूर्ति होने पर उनका विशेष लाभ होगा समय से खेतों को पानी मिलेगा तो ऊपर अच्छी होगी जिससे किसान लाभान्वित होगा सांसद मेनका संजय गांधी ने कहा कि विद्युत उपकेंद्र के खुल जाने से कुड़वार ब्लाक के सुदूर गांव में जहां लोग अंधेरे में रहते थे अब उन्हें निर्विवाद रूप से विद्युत की आपूर्ति मिलेगी और उससे किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिलेगा उक्त अवसर पर बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता सहित सभी आला अधिकारी मौजूद रहे।

गोमती नदी की तलहटी में प्रशासनिक जांच में मिले बड़े अवैध कब्जे

सुलतानपुर। जिलाधिकारी सी इंदुमती ने तत्काल प्रभाव से संबंधित लेखपाल व राजस्व कर्मियों को निलंबित कर दिया। गोमती के तलहटी इलाकों में अवैध अतिक्रमणकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के डीएम ने आदेश दिए।जिलाधिकारी के साथ राजस्व अमला मौके पर पहुंचा। प्रशासनिक कार्रवाई से हड़कंप मच गया। शहर के गोमती नदी के तटीय इलाकों में भू माफियाओं की दखलअंदाज प्रशासनिक अफसरों के आगे आए। विनियमित क्षेत्र समेत नगर पालिका के अफसरों को डीएम ने फटकार लगाई। जिलाधिकारी बोली, लंबे समय से यहां अवैध कब्जेदारी का काम चल रहा था। बड़े स्तर पर भूमाफिया विनोबापुरी, हथियानाला में सक्रिय रहे।उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि पूरे मामले की कड़ी से जांच करवाकर जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

आयुष्मान भारत योजना की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने की कार्यवाही

सुलतानपुर। जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें आयुष्मान भारत योजना की प्रगति खराब होने पर कई प्रभारी चिकित्साधिकारियों पर कार्यवाही की गयी।जिलाधिकारी ने शासन की महत्वपूर्ण योजना आयुष्मान भारत योजना के तहत जनपद में बनाये जा रहे गोल्डन कार्ड की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रवार समीक्षा की। समीक्षा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कादीपुर की प्रगति अत्याधिक खराब होने के कारण प्रभारी चिकित्साधिकारी कादीपुर के विरूद्ध निलंबन सम्बन्धी पत्र भेजने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। इसी प्रकार प्रभारी चिकित्साधिकारी दूबेपुर, मोतिगरपुर, कूरेभार, धनपतगंज का एक माह का वेतन रोके जाने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार प्रभारी चिकित्साधिकारी कूरेभार ने बताया कि कृष्ण मोहन तिवारी, कम्प्यूटर आपरेटर द्वारा बिना सूचना के अनुपस्थित हैं। फोन भी नहीं रिसीव कर रहे हैं, जिसके कारण कार्य प्रभावित हो रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिसका जो दायित्व है, उसका अनुपालन उसे ईमानदारी के साथ करना ही होगा। अन्यथा की स्थिति में उसके विरूद्ध शासन को पत्र लिखा जायेगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सीबीएन त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 वी0बी0 सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महिला डॉ0 उर्मिला चौधरी, डीपीएम संतोष यादव सहित अन्य चिकित्सा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कुड़वार से अलीगंज की तरफ जा रहे युवक का बेला तिराहे के पास हुआ सड़क एक्सीडेंट

सुल्तानपुर। शाम लगभग छः बजे एक युवक का टैम्पू व बाइक की आपस में भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार को चोट लगी है। सड़क दुर्घटना के बाद टैम्पू सवार गाडी लेकर मौके से भाग गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के द्वारा सरकारी एंबुलेंस सेवा की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुडवार ले जाया गया। एक्सीडेंट की खबर सुनते ही थाना कुड़वार के ड्यूटी पर तैनात सिपाही विनोद कुमार सिंह जी तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुडवार अस्पताल पहुंचे। मैं उदय प्रकाश मिश्रा सिपाही बिनोद भाई से घायल युवक के बारे में हालात कैसी है पूछा? तो उन्होंने बताया कि हालत ठीक लग रही है।चोट सिर व पैर में लगी हुई है। जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल सुल्तानपुर के लिए रेफर कर दिया है। घायल युवक का घर प्राप्त जानकारी के मुताबिक अलीगंज ऊंचगांव बताया जा रहा है। घायल युवक का नाम धरमू शर्मा पुत्र स्वर्गीय राम उजागिर शर्मा बताया जा रहा है। घायल युवक धरमू शर्मा के पिता राम उजागिर शर्मा का कुछ साल पहले भी एक ट्रेंन दुर्घटना में मौत हो चुकी है। घायल युवक धरमू शर्मा की मां व परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल सुल्तानपुर में इलाज चल रहा है। परिवार व गांव के लोग जिला अस्पताल सुल्तानपुर पहुंच गए हैं।हालत खतरे के बाहर बताई जा रही है।

सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेई का जन्मदिन

सुल्तानपुर। विकासखंड के कंधईपुर बाजार अन्तर्गत भाजपा द्वारा सुशासन दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई का जन्मदिवस सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। भाजपा नेतृत्व के आयोजन में जुटे दर्जनों भाजपाइयों ने बारी बारी से पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने–अपने मन की बात कही। उस मौकेध पर भाजपा संगठनात्मक चुनाव में नवनिर्वाचित कंधईपुर मंडल अध्यक्ष अनिल तिवारी का पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कर स्वागत किया। उस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष अनिल तिवारी के साथ मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री विजय कुमार त्रिपाठी, श्री गोविंद नारायण तिवारी पूर्व जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा भाजपा, जिला प्रतिनिधि डॉ0 अमरनाथ सोनी, भदैया मंडल अध्यक्ष राम मूर्ति वर्मा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अनिरुद्ध शुक्ला, पंकज श्रीवास्तव, अजय सिंह, लालजी तिवारी, योगेंद्र प्रताप सिंह, अभयराज सरोज, ओमप्रकाश तिवारी, शेर बहादुर सिंह समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

वांछित अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुमार के निर्देश में वांछित अपराधियो की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गश्त पर निकली पुलिस टीम को सफलता मिली है।थानाध्यक्ष धंमौर शिवाकान्त त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में गिरफ्तारी हुई। विजय कुमार उर्फ बल्लू पुत्र जगराम निवासी गौहानी को पुलिस टीम ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई।कई गंभीर धाराओं का वांछित अभियुक्त था। पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही की।

डी डी न्यूज के पत्रकार पर हुआ जानलेवा हमला

सुल्तानपुर,दोस्तपुर। प्रभारी निरीक्षक दोस्तपुर द्वारा अवगत करया गया कि ग्राम बभनईया पूरब कस्बा दोस्तपुर थाना दोस्तपुर जनपद सुलतानपुर में प्रथम पक्ष अश्वनी मिश्रा पुत्र लक्ष्मीनरायण मिश्र निवासी उपरोक्त व द्वितीय पक्ष रामदास पुत्र ठाकुरदीन निवासी उपरोक्त के बीच जमीनी विवाद को लेकर दोनो पक्षो में मारपीट हुई।ज्ञातब्य हो कि अश्विनी कुंए दिल्ली में डी डी न्यूज के पत्रकार हैं। जिस सम्बंध में दोनो पक्ष थाने आये । प्रथम पक्ष के वादी श्री अतुल मिश्रा के प्रार्थना पत्र के आधार पर मु0अ0सं0– 340/19/धारा 147/148/149/323/324/506 भा0द0वि0 बनाम रामनिहाल पुत्र ठाकुरदीन आदि 07 नफर के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। द्वितीय पक्ष के वादी श्री रामदास पुत्र ठाकुरदीन निवासी उपरोक्त के प्रार्थना के आधार पर एनसीआर नं0– 49/19 धारा 323/427/504 भा0द0वि0 बनाम 1–अतुल मिश्रा 2– अश्वनी मिश्रा पुत्रगण लक्ष्मीनरायण मिश्रा के विरुद्ध पंजीकृत किया गया है। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी ने लेखपालों से हड़ताल समाप्त कर काम पर वापस आने को कहा

सुलतानपुर। हड़ताली लेखपालों द्वारा तिकोनिया पार्क पर दिये जा रहे धरना प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर तथा लेखपाल संघ के पदाधिकारियों से वार्ता कर जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती ने हड़ताल समाप्त कर काम पर वापस आने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि हड़ताल के कारण जनहित के कार्यों में विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन पर शासन द्वारा पहले से ही रोक लगायी जा चुकी है। जिसका सभी शासकीय सेवकों को अनुपालन करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अधिकतर लेखपालों द्वारा की जा रही मांगों को मान लिया गया है। शेष मांगों के लिये वह स्वयं जनपद स्तरीय पदाधिकारियों सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री से भेंटकर लेखपालों की ओर से विचार रखेंगी, परन्तु इससे पूर्व लेखपालों को हड़ताल समाप्त कर कार्य पर वापस आना होगा। लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने इसके लिये एक दिन का समय जिलाधिकारी से मांगा।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(प्रशा0) हर्ष देव पाण्डेय, मुख्य राजस्व अधिकारी शमशाद अहमद, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी पन्नालाल सहित लेखपाल संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

धरना स्थल पर पहुंची डीएम, लेखपालों से की वार्ता

सुलतानपुर। दिसंबर के पहले सप्ताह से विभिन्न मांगों को लेकर तिकोनिया पार्क में धरने पर बैठने लेखपालों से डीएम ने काम पर वापस आने की अपील की है। गुरुवार को जिलाधिकारी सी इंदुमती ने हड़ताली लेखपालों के धरना स्थल पर पहुंचकर लेखपाल संघ के पदाधिकारियों से वार्ता की। उन्होंने संघ के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि काम पर वापस आएं। मुख्यमंत्री से भेंटकर लेखपालों का पक्ष वे रखेंगी। संघ की ओर से पदाधिकारियों ने डीएम के प्रस्ताव पर विचार के लिए एक दिन का समय मांगा है। डीएम ने कहा कि कुछ मांगें जो जिले स्तर पर पूरी की जा सकती हैं उन्हें मान लिया गया है। शासन स्तर की मांगें भी पूरी कराने की कोशिश की जाएगी। डीएम ने धरना स्थल पर लेखपालों से कहा कि हड़ताल के चलते जनहित के काम प्रभावित हो रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले आवेदकों के कार्य बाधित हैं। प्रमाण

पत्रों के अभाव में ऐसे आवेदक आवेदन करने से वंचित हो रहे हैं। हड़ताल और धरना–प्रदर्शन पर शासन ने पहले ही रोक लगा रखी है। इसका अनुपालन शासकीय सेवकों को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक रूप से लेखपालों की अधिकतर मांगे मान ली गई हैं। हड़ताल के चलते राजस्व के काम बाधित हैं। कस्बों चौराहों पर अलाव तक नहीं जल पा रहे हैं। कंबल वितरण का काम भी अधूरा पड़ा है। लेखपाल प्रशासन संचालन की महत्वपूर्ण इकाई हैं। उनकी हड़ताल से प्रशासनिक गतिरोध बन रहा है। वार्ता के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन हर्षदेव पांडेय, मुख्य राजस्व अधिकारी शमशाद अहमद, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी पन्नालाल आदि मौजूद रहे।

नागरिकता कानून को लेकर पुलिस अलर्ट

सुलतानपुर। नागरिकता कानून को लेकर खुफिया विभाग से मिले इनपुट को लेकर स्थानीय पुलिस सतर्क हो गई है। थानों में पीस कमेटी की बैठक कर अमन शांति के लिए गुरुवार को पुलिसकर्मियों द्वारा रूट मार्च निकाला गया। शरारती तत्वों पर खुफिया विभाग की टीमें नजर रख रही हैं। 27 दिसंबर को शुक्रवार का दिन होने के चलते नमाज के दौरान संवेदनशील जगहों पर पुलिस की तैनाती रहेगी। पिछले शुक्रवार को हुए शहर में बवाल को लेकर उपद्रवियों की खोजबीन जारी है। सीसीटीवी फुटेज, वीडियो व सोशल मीडिया के जरिए उपद्रवियों के सूत्रधारों तक पहुंचने की कोशिशें जारी हैं। पुलिस को 27 दिसंबर शुक्रवार को भी गड़बड़ी का अंदेशा है। सीओ सतीश चंद्र शुक्ल ने बताया कि लोगों से शांति की अपील की जा रही है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

चार चिकित्साधिकारी का रोका वेतन, एक के निलंबन की संस्तुति

सुलतानपुर। आमजनों के स्वास्थ्य से जुड़ी केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान योजना की लचर प्रगति पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने चार प्रभारी चिकित्साधिकारियों का एक माह को वेतन रोकने और एक प्रभारी चिकित्साधिकारी के निलंबन की संस्तुति की है। कर्मियों को नसीहत देते हुए कहा कि अगर काम में लापरवाही बरती गई तो सख्त कार्रवाई होगी। गुरुवार को जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक में सी इंदुमती ने योजना की प्रगति समीक्षा की। कलक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में बनाए जा रहे गोल्डन कार्ड की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रवार प्रगति जानी गई। जिसमें खराब प्रदर्शन पर कादीपुर प्रभारी चिकित्साधिकारी के निलंबन करने की संस्तुति भी डीएम ने की। प्रभारी चिकित्साधिकारी दूबेपुर, मोतिगरपुर, कूरेभार, धनपतगंज का एक माह का वेतन रोके जाने का भी निर्देश दिया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी कूरेभार ने बताया कि कंप्यूटर आपरेटर कृष्णमोहन तिवारी बिना सूचना के अनुपस्थित हैं। फोन भी नहीं रिसीव कर रहे हैं। डीएम ने संबंधित कर्मी के खिलाफ तत्काल एफआइआर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिसका जो दायित्व है उसका ईमानदारी से निर्वहन करें अन्यथा उनके विरुद्ध शासन को पत्र लिखा जाएगा। बैठक में सीएमओ डॉ.सीवीएन त्रिपाठी, सीएमएस डॉ.वीबी सिंह, मुख्य चिकित्साधीक्षक महिला डॉ.उर्मिला चौधरी, डीपीएम संतोष यादव सहित अन्य चिकित्साधिकारी मौजूद रहे।

ऊर्जा राज्य मंत्री का जनपद भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित

सुलतानपुर। प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत राज्यमंत्री रमाशंकर सिंह पटेल का 27 दिसम्बर को जनपद भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री प्रातः 10 बजे ग्राम सभा ऊंचा गांव विकास खण्ड कुड़वार में कम्बल वितरण करेंगे तथा 11 बजे ग्राम सरकौड़ा विकास खण्ड कुड़वार में 33/11 विद्युत उपकेन्द्र का शिलान्यास करेगे।

फिर ठप हो गया चीनी मिल का संचालन

सुलतानपुर। किसान सहकारी चीनी मिल में बुधवार की शाम करीब चार बजे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जल जाने से चीनी मिल का पहिया एक बार फिर थम गया, मिल के बन्द हो जाने से गन्ने की पेराई बाधित हो गई। जिससे यार्ड में हजारों क्विंटल गन्ना डंप हो गया। जर्जर सयंत्रों से चल रही मिल में आए दिन फाल्ट होने से मिल सही ढंग से नही चल पा रही है। जिससे किसानों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। चीनी मिल चले एक माह बीत रहा है, लेकिन अभी तक पहले सप्ताह की जारी की गई पर्ची की पेराई नही हो पाई है। बुधवार की शाम तक कुल 71 हजार कुन्तल गन्ने की पेराई हुई है। जबकि मिल का लक्ष्य 15 लाख क्विंटल गन्ने का है। ऐसे में लक्ष्य कैसे पूरा होगा यह एक बड़ा सवाल है। किसानों के सामने भी बड़ी समस्या है कि उनका गन्ने की तौल कैसे हो।

किसानों ने बयां किया दर्द

बलरामऊ के किसान अभय राज वर्मा ने बताया की मिल में चार दिन से खड़ा हूं। चार दिन में चार बार बंद हुई चीनी मिल से भरोसा उठ गया है। अगर यही स्थिति रही तो अगले साल से गन्ना बोना बंद कर देंगे। उदयपुर निवासी किसान संजय तिवारी भी पांच दिन से तौल के इंतजार में खड़े हैं। कहते हैं कि मिल का मेंटिनेंस सही तरीके से नहीं हुआ है। आए दिन फाल्ट होने से मिल बंद हो जा रही है। इस मिल के भरोसे गन्ना बोने लायक नही है।

किसान दरोगा यादव निवासी पटना सैदखानपुर ने बताया की तीन दिन से गन्ना लेकर रात बिता रहा हूं। कब तक मिल चलेगी यह कोई बताने वाला नही है न ही हम लोगो के लिए ठंड में रहने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

मुख्य गन्ना अधिकारी गजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया की फाल्ट ठीक हो गया है। स्टीम पॉवर बनने के बाद मिल का संचालन हो जाएगा।

सूर्यग्रहण पर नहीं खुले मंदिरों के कपाट

सुलतानपुर। सूर्यग्रहण व सूतक लगने से बुधवार की शाम आठ बजे से मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए, जिसके बाद मंदिर में प्रवेश व पूजा अर्चना रोक दी गई। हालांकि जाप का कार्यक्रम चलता रहा। सूर्यग्रहण के चलते सुबह नगर के प्रमुख बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। लोग पूजन–अर्चन में व्यस्त रहे। ग्रहण खत्म होने के बाद ही लोगों ने अपनी दुकानें खोलीं।

साल का आखिरी सूर्य ग्रहण गुरुवार की सुबह आठ बजकर 17 मिनट पर लगा और 10 बजकर 57 मिनट पर समाप्त हुआ। हालांकि यह पूर्ण सूर्यग्रहण नहीं था। जिले में बादल व धुंध के चलते हालांकि सूर्यग्रहण देखा नहीं जा सका। लोग आसमान की तरफ टकटकी लगाए रहे। हालांकि सूतक लगने से बुधवार की रात आठ बजे ही मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए थे। जिसके चलते सुबह की आरती नहीं हो सकी। नगर के पंचमुखी हनुमान मंदिर, चौक हनुमानगढ़ी, सुदर्शन पार्क के बगल स्थित नर्मदेश्वर मंदिर, रामलीला मैदान स्थित सिद्धेश्वर शिवमंदिर, विजेथुआ महावीरन का हनुमान मंदिर, पल्टन बाजार स्थित काली मंदिर समेत अन्य मंदिरों के कपाट सूर्यग्रहण खत्म होने के उपरांत ही खुले। इसके बाद विधिवत देवी–देवताओं की आरती हुई और श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ कपाट खोल दिए गए। व्यवसायी पल्लव खेतान ने बताया कि हिदू धर्मावलंबियों व्यवसाइयों ने सूर्यग्रहण तक अपनी दुकानें नहीं खोलीं और पूजा–पाठ में व्यस्त रहे। ग्रहण खत्म होने के उपरांत पूजन–अर्चन कर ही दुकानों के ताले खोले।

घरों में देर से बना भोजन

गुरुवार की सुबह सूर्यग्रहण लगने के पहले ही लोगों ने कामकाज बंद कर दिया और प्रभु का नाम जपते रहे। घरों में महिलाओं ने चौक लगाकर पूजा–अर्चना की। ग्रहण खत्म होने के बाद लोगों ने सूर्यदेव की उपासना की और उसके बाद भोजन के लिए चूल्हों में आग लग सकी।

भीषण शीतलहरी से बचाव हेतु अलाव व रैन बसेरा, शेल्टर होम स्थापित

सुलतानपुर। भीषण शीतलहरी के दृष्टिगत जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती के निर्देश पर निराश्रित एवं कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों के बचाव हेतु जिले में विभिन्न स्थानों पर अलाव व रैन बसेराशेल्टर होम स्थापित किये गये हैं, जिसके अन्तर्गत नगर पालिका क्षेत्र के अन्तर्गत ट्रांसपोर्ट नगर में स्थायी रैन बसेरा, गोलाघाट टैम्पों स्टैण्ड के पास तथा जिला चिकित्सालय में अस्थायी रैन बसेरा एवं टाउन एरिया कादीपुर के बारात घर एवं कार्यालय कैम्पस नगर पंचायत दोस्तपुर के अन्दर स्थायी रैन बसेरा स्थापना की गयी है, जिसमें (गद्दे, कम्बल, स्वच्छ पेयजल, शौंचालय एवं अलाव इत्यादि) की समुचित व्यवस्था है तथा रैन बसेरा,शेल्टर होम क्रियाशील है। जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती द्वारा सभी सम्बन्धित अधिशाषी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि ठण्ड एवं शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत निराश्रित एवं कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों के बचाव हेतु स्थापित रैन बसेरा,शेल्टर होम में लगातार व्यवस्थायें सुनिश्चित करते रहने के निर्देश दिये। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति रात्रि में खुले स्थान पर सोता हुआ असुरक्षित न मिले। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों को निर्देशित किया कि ग्राम स्तर पर अलाव जलाये जाने की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करें। इस सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी(वि0,रा0) उमाकान्त त्रिपाठी ने बताया कि जनपद के अन्तर्गत तहसील सदर के अन्तर्गत 10 स्थानों पर, कादीपुर में 15 स्थानों पर, लम्भुआ में 13 स्थानों पर, जयसिंहपुर में 14 स्थानों पर तथा बल्दीराय तहसील में 08 स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की गयी है। इसके अतिरिक्त जिले में स्थापित गोशालाओं में भी निरन्तर अलाव जलाये जा रहे हैं। जनपद के निराश्रित एवं कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को ठण्ड एवं शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत उनसे अपील है कि नगर पालिका तथा टाउन एरिया में स्थापित रैन बसेरा,शेल्टर होम में तत्काल शरण लें, जिससे शीतलहरी एवं ठण्ड से उनका बचाव हो सके।

अयोध्या महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

विरासत व परामपरा को सदा संजोए रखने की आवश्यकता : कमल रानी वरूण

अयोध्या। भजन संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रख्यात कलाकारों की प्रस्तुति से अयोध्या महोत्सव का मंच गुलजार रहा। प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरुण ने दीप प्रज्जवलन के उपरान्त कहा कि कला व संस्कृति हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग है। हमारी इस विरासत व परामपरा को सदा संजोए रखने की आवश्यकता है। इस प्रकार के आयोजन इसमें अपना महती योगदान देते है। प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ इस तरह के आयोजन आम जनता को लोकसंस्कृति व सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराते है। महोत्सव के संयोजक विधायक रामचन्दर यादव ने कहा कि रामनगरी अयोध्या सांस्कृतिक दृष्टि से काफी समृद्धशाली है। मर्यादित जीवन जीने की पावन धारा का प्रवाह अयोध्या से पूरे विश्व में हुआ है। आयोजनो के माध्यम से यहां का सांस्कृतिक महत्व को आम जनता के बीच पहुंचने का यह प्रयास है। भारतीय शिल्पकलाकारों को यहां से एक बेहतर प्लेटफार्म प्रदान किया गया है। संस्कृति को विकसित करने के साथ आयोजन रोजगार सृजन का कार्य भी करता है। इसके उपरान्त आयोजित भजन संध्या में वाराणसी की ज्योति शर्मा व पंडित बृजमोहन तिवारी ने अपने भजनों के माध्यम से पूरे परिवेश को भक्तिमय कर दिया। दर्शक भाव बिहोर होकर भजनों को सुनते रहे। हास्य कवि शम्भू शेखर ने अपनी रचनाओं के माध्यम से लोगो को खूब हंसाया। शम्भू शेखर की कविताओं को सुनकर पूरी दर्शक दीर्घा करतल ध्वनि से गूंज उठी। इससे पूर्व अयोध्या महोत्सव न्यास के मुख्य संयोजक विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व अध्यक्ष हरीश श्रीवास्तव ने प्राविधिक मंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। शुक्रवार को दिन में कार्यक्रम की शुरुवात महोत्सव के मुख्य संयोजक व अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने दीप प्रज्जवलन के द्वारा किया। उन्होने कहा कि महोत्सव में प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान किया जा रहा है। जिससे उनकी कला में और निखार आ सके। सांस्कृतिक आयोजन में लोकसंस्कृति, कला, दर्शन, साहित्य, शिक्षा का समागम है। जिसे अयोध्या की महिमा और गरिमा के अनुरुप विकसित किया गया है। दीप प्रज्जवलन के दौरान विधायक शोभा सिंह चैहान, न्यास अध्यक्ष हरीश श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू मौजूद रहे। इस दौरान अवध इंटरनेशनल के बच्चों ने शिव तांडव व केटी पब्लिक स्कूल ने गुजराती फोग डांस की प्रस्तुति की। एचसीजे एकेडमी के बच्चो ने देशभक्ति गीतों के माध्यम से दर्शकों की तालियां बटोरी। गुरुनानक एकेडमी द्वारा प्रस्तुत दुर्गा डांस ने लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, आकाश अग्रवाल, नाहिद कैफ, अनुजेन्द्र, ऐश्वर्या ठाकुर, बृजमोहन, अरुण द्विवेदी, मोहित मिश्रा, सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, अनु वर्मा, राघवेन्द्र, गिरीश, जतिन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने ठण्ड से बचाव के लिए दिये दिशा निर्देश

अयोध्या। मण्डलायुक्त एम0पी0 अग्रवाल ने मण्डल/जनपदों में कड़ाके की ठण्ड को देखते हुए रैन बासेरों में सभी सुविधायें उपलब्ध कराने, अलाव जलाने की कार्यवाही करने हेतु राजस्व, विकास आदि विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया। नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद, नगर निगम, प्राथमिक विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, ग्रामसभाओं आदि में भी अलाव जलाने एवं निराश्रित, असहाय लोगो को कम्बल आदि वितरण करने को कहा। मण्डलायुक्त ने जनपदों के जिलाधिकारियों, अपर जिलाधिकारियों एवं मुख्य विकास अधिकारियों से भी कहा है कि आम लोगो के साथ-साथ जानवरों एवं मवेशियों को भी ठण्डक से बचाव हेतु उपाय करने हेतु को कहा तथा इसके अलावा चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को भी अस्पतालों को समय से खोलने एवं जीवनोपोयी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिया गया तथा यह भी कहा कि ऐसी व्यवस्था किया जाये कि भोजन, वस्त्र आदि की कमी के कारण ठण्डक से किसी की मौत न हो। मण्डलायुक्त द्वारा आज आयुक्त कक्ष में समाज कल्याण विभाग एवं कृषि विभाग की अलग-अलग समीक्षा की गयी। मण्डलायुक्त ने कहा कि सम्बन्धित विभाग अधिकारी शासन के अनुरूप लाभार्थीपरक योजनाओं में समयबद्धता के साथ कार्यवाही करें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। डाटा फिडिंग कार्यो का समय से फीड किया जाये ऐसी व्यवस्थाएं की जायें कि मण्डल के किसी जनपद का कोई पात्र व्यक्ति अपने निर्धारित लाभ से वंचित न रहे सके, मेरा उद्देश्य है कि मण्डल को सभी कार्यक्रमों में सम्मानजनक स्थान दिलाना है। मण्डलायुक्त ने यह भी कहा कि समाज कल्याण विभाग के अधिकारी सामूहिक विवाह योजना में पात्र व्यक्तियों के चयन में तेजी लायें वहीं कृषि विभाग के अधिकारी किसानों को खाद-बीज विशेषकर डीएपी एवं यूरिया खाद की प्रचुर मात्रा में व्यवस्था करें जिससे कि किसानो को कोई दिक्कत न हो और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में भी तेजी लाने के निर्देश दिये। भूमि संरक्षण विभाग के कार्यो पर जोर देने तथा आगामी 10 जनवरी 2020 तक अपने-अपने जनपदों के मुख्य विकास अधिकारी एवं जिलाधिकारी से सम्पर्क कर मनरेगा के तहत कार्ययोजना प्रस्तुत कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। इस बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त, संयुक्त कृषि निदेशक, उप सूचना निदेशक सहित मण्डल के समाज कल्याण, कृषि विभाग आदि विभागों के सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि विवि परिसर में अधिकारियों व कर्मचारियों ने लगाई झाड़ू

मिल्कीपुर-अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के मुख्य परिसर में शुक्रवार को स्वच्छता पखवारे की शुरुवात विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने सफाई परम्भ कर की। अनोमा छत्रावास के सामने सभी अधिकारियों ने झाड़ू लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तो इसमें छात्रावास के विद्यार्थियों ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। स्वच्छता अभियान के तहत एकत्रित कूड़े को विद्यार्थियों ने ट्राली में डाल कर उसके निष्पादन के लिए भेजा। विश्वविद्यालय परिसर को प्लास्टिक कचरे से मुक्त व स्वच्छ बनाने को अभियान के रूप में लेने के निर्देश दिए थे इस क्रम में गुरुवार को अधिशाषी अभियंता ने विश्वविद्यालय परिसरवासियों को पालीथिन का उपयोग न करने तथा किसी भी स्थिति में इसे नालियों व ड्रेनेज वाली जगहों में न फेंक कर इसे अपने स्तर से नष्ट करने का अनुरोध किया है। विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता पखवारा 15 दिनों तक चलेगा जिसके अंतर्गत लोगों को स्वछता के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न तरह की गतिविधियों के कार्यक्रम भी आयोजित किये जाने हैं। पखवारे के प्रथम दिवस विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार प्रो ए पी राव, कृषि अधिष्ठाता डॉ वी एन राय, अधिष्ठाता उद्यान एव वानिकी डॉ ओपी राव,अधिष्ठाता पशु चिकित्सा डॉ हरनाम सिंह, निदेशक शोध डॉ गजेंद्र सिंह, कुलसचिव डॉ पी के सिंह, प्राध्यापक डॉ संजय पाठक, डॉ आर आर सिंह, ई एस एस सिंह समेत बढ़ी संख्या में शिक्षक, वैज्ञानिक छात्र व कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीपांकुर ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक, भारतीय टीम में चयनित

गोण्डा। मध्य प्रदेश विदिशा में नेशनल स्कूल गेम्स में दीपांकुर सिंह ने अंडर 78 किलो भार वर्ग में प्रतिभाग कर हरियाणा, गुजरात, विद्याभारती, महराष्ट्र के खिलाड़ी को परास्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त कर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन किया है। दीपांकुर के इस उपलब्धि पर डीएम डॉ. नितिन बंसल ने सम्मानित सम्मानित करते हुए खिलाड़ी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही साथ उन्होंने गोंडा ताइक्वांडो एसोसिएशन की सराहना करते हुए कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। डीएम ने दीपांकुर के अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता चाइना के लिए शुभकामनाएं दी। सदर विधायक प्रतीक भूषण शरण सिंह, गोंडा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह व कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।गोंडा ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव प्रत्यूष राज, रेडक्रास सोसायटी के सचिव राजेश श्रीवास्तव, केवी सिंह, विवेक श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अनिल के साथ-साथ खिलाड़ी की माता सोनी सिंह जिला कार योजना निगरानी समिति की अध्यक्ष पिता आनंद सिंह समेत क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा के साथ-साथ ताइक्वांडो एसोसिएशन के खिलाड़ी व सदस्यों ने शुभकामनाएं दी।

धुंध और घने कोहरे ने सूर्य ग्रहण नहीं देख पाए लोग

गोण्डा। साल 2019 की आखिरी रोमांचित करने वाली खगोलीय घटना सूर्य ग्रहण को देखने के लिए गुरुवार सुबह से इंदिरा गांधी नक्षत्र शाला में काफी लोग उमड़े। लेकिन सुबह से ही छाये घने कोहरे व धुंध के कारण खगोल विज्ञान के छात्रों , स्कूल के बच्चों व खगोल प्रेमियों को मायूसी हाथ लगी। सुबह 8 बजे से लेकर पूर्वाह्न 11.30 बजे तक सभी नक्षत्र शाला की छतों पर जुटे रहे। इसी आशा के साथ लगभग 3 घंटे तक आसमान की ओर निहारते रहे। सूर्य भगवान से घने कोहरे से बाहर निकल आने की मिन्नतें करते रहे। लेकिन निराशा हाथ लगी। इंदिरा गांधी नक्षत्र शाला की ओर से दो दिनों से सूर्यग्रहण दिखाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। यूपी अमेच्योर एस्ट्रोनॉमी क्लब के सदस्यों के सहयोग से कुल 8 पॉवर फुल दूरबीनों को लगाया गया था। छोटे बच्चे व खगोल प्रेमी दूरबीन में आंख गड़ा कर एकटक आसमान की ओर देखते रहे। सब दूरबीन से सूर्यग्रहण देखने की अपनी बारी का इंतजार करते रहे। सुबह 8.19 से 9.36 बजे के बीच सूर्य ग्रहण का चरम काल था। इस दौरान लोगों के बीच सूर्यग्रहण के देखने के लिए सबसे ज्यादा उत्सुक्ता रही। इसके बाद जैसे जैसे समय बढ़ता रहा और मौसम साफ होबे के आसार नही दिखोई दिये। लॉगऑन का उत्साह काम होता गया। 11.15 बजे तक लीगों ने सूर्य ग्रहण दिखाई देने की सारी उम्मीदें छोड़ दी। वैज्ञानिक अधिकारी सुमित श्रीवास्तव का कहना है कि सुबह हल्की धुंध थी। पूरी उम्मीद थी कि जल्द ही आसमान साफ हो जाएगा और लोग साल की इस आखिरी सूर्यग्रहण को देख सकेंगे। लेकिन मौसम साफ न होने से नही देख सके। उन्होंने वताया कि अगला सूर्यग्रहण वर्ष 2020 में 21 जून को होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे के महा प्रबंधक ने मनकापुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे के महा प्रबंधक राजीव अग्रवाल ने शुक्रवार देर शाम मनकापुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। स्पेशल ट्रेन से जीएम ने प्लेट फार्म नम्बर दो पर उतर कर निरीक्षण किया। उतरते ही जीआरपी चौकी की ओर नजर दौड़ाई तो पुलिस की जीप देख नाराज हो गए। कहा कि ये यहां कैसे खड़ी है? जवाब मिला कि जीआरपी की गाड़ी है। बोले चाहे जिसकी गाड़ी हो प्लेट फार्म पर नहीं खड़ी होगी। यदि दोबारा ऐसा मिला तो स्टेशन अधीक्षक नप जायेंगे। इसके बाद प्लेट फार्म ,पैनल रुम, एसएस कार्यालय,यात्री प्रतीक्षालय का निरीक्षण किया। इसके बाद आरपीएफ थाना पर जाकर सभी जनप्रतिनिधियों से मिलकर उनका ज्ञापन लिया। मात्र 21 मिनट में जीएम निरीक्षण करके अपने जीएम स्पेशल ट्रेन के सैलूम में चले गये। सैलून के अंदर जाकर मनकापुर में उत्कृष्ट कार्य करने अधिकारियों व कर्मचारियों को नगद पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किये। एसएस प्रभाकर पान्डेय को पांच हजार का नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके मंडल रेल प्रबंधक मोनिका अग्निहोत्री, पीआरओ महेश गुप्ता, एस एस प्रभाकर पान्डेय,आरपीएफ कोतवाल अमरनाथ, सांसद प्रतिनिधि कमलेश पान्डेय, रमापति शास्त्री के भाई बाबूलाल शास्त्री,जनार्दन तिवारी, पंकज श्रीवास्तव, मनोज तिवारी, बह्माकुमारी बहन उपमा,आरके नारद, गौरा विधायक के प्रतिनिधि विक्रम प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

आरआई की संदिग्ध परिस्थितियों मौत, पत्नी, बेटा भर्ती

गोण्डा। श्रावस्ती सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय में तैनात संभागीय निरीक्षक राजेंद्र कुमार पाधा की गुरूवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में गोण्डा आवास पर मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी और बेटे की हालत गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। इसे लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पुलिस ने जांच के लिए भोजन के नमूने लिए है। बताया जा रहा है कि गुरुवार देर रात लगभग साढ़े दस बजे खाना खाने के बाद आरआई श्री पाधा की तबीयत अचानक बिगड़ गयी। फिर उनकी पत्नी और बेटे की तबियत भी बिगड़ने लगी। बेटे ने बाहर निकलकर लोगों को बताया तो सभी लोग आनन फानन तीनों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। लेकिन यहां आरआई को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं उनके बेटे और पत्नी की हालत गंभीर देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर पुलिस ने आरआई के शव को कब्जे में ले लिया है। परिवहन विभाग के भी कई अधिकारी और कर्मचारी भी जिला अस्पताल पहुंचे थे।

बछरावां पुलिस से आहत पीड़ित ने लगाई क्षेत्राधिकारी से न्याय की गुहार

रायबरेली। क्षेत्राधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में पीड़ित श्री कृष्ण पुत्र महावीर निवासी जोरावर खेड़ा मजरे मलपुर थाना बछरावां गांव में दबंगों से पीड़ित परिवार काट रहा है थाने और चौकी के चक्कर नहीं मिल रहा है न्याय आपको बता दे की बछरावां थाना क्षेत्र के जोरावर खेड़ा मजरे मलपुर गांव निवासी श्री कृष्ण पिछले 1 महीने से बछरावां थाने और चौकी के चक्कर काट रहा है उसका आरोप है कि उसके विपक्षी छविनाथ पुत्र बेनी व गुरु प्रसाद पुत्र नंदलाल उसकी जमीन पर जबरन कब्जा कर लिए हैं पीड़ित ने बताया कि उसकी दादी मोहन देई की साढ़े चार बीघे जमीन है जिसमें दादी के कोई संतान न होने के चलते जमीन उनके परिवारिक छविनाथ पुत्र बेनी गुरु प्रसाद पुत्र नंदलाल श्री कृष्ण पुत्र महावीर तीनों लोगों में बराबर बराबर बटी थी उसके बाद पीड़ित का आरोप है कि पीड़ित ने अपनी जमीन पर धान बोया था विपक्षियों ने पुलिस से सांठगांठ कर कर उसका धान काट लिया पीड़ित श्री कृष्ण थाने और चौकी में दर्जनों बार शिकायत किया लेकिन उसे न्याय नहीं मिला पीड़ित ने न्याय मिलता न देख इसकी तहसील दिवस में कई बार गुहार लगाई लेकिन आश्वासन के अलावा पीड़ित को वहां से भी न्याय नहीं मिला पीड़ित का आरोप है कि विगत 1 महीने पहले उसके द्वारा बोई गई धान की फसल विपक्षियों ने काट ली उसके बाद पीड़ित ने किसी प्रकार उसी जमीन पर गेहूं की फसल बोई लेकिन विपक्षी दबंग और सरहंग होने के चलते उसकी एक बीघे गेहूं की खडी फसल जोत कर उस पर दोबारा से अपना गेहूं बो दिया पुलिस से शिकायत की तो पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की बाद में शेष बचे दस बिस्वा जमीन पर पीड़ित ने फसल बोई पीड़ित का आरोप है कि 25/12/2019 को विपक्षियों ने पुलिस से सांठगांठ कर उसकी दस विस्वा गेहूं की खड़ी फसल भी अपने ट्रैक्टर से जोत कर उस पर फिर से गेहूं बो दिया है पीड़ित ने मामले में बछरावां थाना अध्यक्ष पंकज तिवारी से इसकी शिकायत की तो महोदय ने उसे फिर आश्वासन दिया और कहा चौकी पर चले जाओ वहां देख लेंगे लेकिन दर्जनों बार न्याय की गुहार लगाने के बाद पीड़ित को न्याय नहीं मिल रहा है बेबस पीड़ित परिवार क्षेत्राधिकारी कार्यालय महाराजगंज पहुंचा और क्षेत्राधिकारी से न्याय दिलाने की गुहार लगाई अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या पीड़ित को न्याय मिलता है और दबंगों पर कोई कार्यवाही होती है मामले में क्षेत्राधिकारी विनीत कुमार सिंह ने बछरावां पुलिस को मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

पीस कमेटी की बैठक आयोजित

रायबरेली। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 सीएए को लेकर लोगों में फैली भ्रांतियों को दूर करने व कानून व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने के लिए रायबरेली जनपद की महराजगंज कोतवाली में कोतवाल लाल चन्द्र सरोज की अध्यक्षता में तथा तहसील सभागार में उप जिलाधिकारी विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से लेकर गणमान्य व्यक्तियों तथा आम नागरिकों ने प्रतिभाग कर नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 सीएए के बारे में अधिकारियों द्वारा दिए गए वक्तव्य को सुनकर भ्रान्ति को दूर किया तथा अधिकारियों द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम के बारे में समझाएं गए सुझावों पर हां में सहमति जताई। आपको बता दें कि, उप जिलाधिकारी विनय कुमार सिंह ने नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर लोगों को अवगत कराया कि, डरने की जरूरत नहीं है। इसके बारे में सही–सही जानकारी रखने की जरूरत है। सोशल मीडिया पर फैलाने वाली अफवाहों से दूर रखने की भी सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि, किसी के बहकावे में ना आएं। अगर नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 से आपको कोई आपत्ति है तो, आप ज्ञापन के माध्यम से अपनी बात प्रस्तुत कर सकते हैं, जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोतवाली परिसर में आयोजित नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 सीएए पर पीस कमेटी की बैठक में कोतवाली प्रभारी लाल चन्द्र सरोज ने लोगों से अमन और शांति बनाए रखने की अपील की, तथा सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाली अफवाहों को नजरअंदाज करने की बात कही गई। नागरिकता संशोधन अधि ानियम 2019 सीएए पर तहसील सभागार में आयोजित हुई पीस कमेटी की बैठक में मौजूद तहसीलदार विनोद कुमार सिंह ने आए हुए लोगों से सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश देते हुए अफवाहें फैलाने वालों के प्रति प्रशासन का सख्त रुख भी साफ कर दिया उन्होंने कहा कि, नागरिकता संशोधन कानून को लेकर किसी भी तरह की भ्रांति ना फैलाएं। इस मौके पर नायब तहसीलदार रामकिशोर वर्मा, असगर मदारिया, जियाउल हक मंसूरी, प्रधान प्रतिनिधि संत कुमार चौधरी, शिव रमण प्रताप सिंह प्रधान प्रतिनिधि, सपा नेता शकील मंसूरी, सभासद नूरुल हसन, अजीत कुमार बागी ईओ बछरावां, फीरोज अहमद, एसआई विभाकर शुक्ला, एसआई सुभम यादव, एसआई श्याम चन्द्र यादव, एसआई अशोक कुमार, जमुना प्रसाद त्रिपाठी तथा सैकड़ों की संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति व आम नागरिक मौजूद रहे।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

रायबरेली। नेहरू युवा केंद्र रायबरेली द्वारा युवा समाज सेवा संस्थान के सहयोग से कस्बे के रायबरेली रोड स्थित हनुमानगढ़ी मैदान में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य प्रभात साहू ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण व फीता काट कर दिया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है इसलिए युवाओं को खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना चाहिए।नेहरू युवा केंद्र के पूर्व ब्लाक एन०वाई० सी०इरशाद सिद्दीकी ने बताया कि जिला युवा समन्वयक गोपेश पाण्डेय के निर्देश पर पूरे जनपद में खेलकूद प्रतियोगिताएं संपन्न कराई जा रही हैं इनमें सफल होने वाले खिलाड़ियों को जिले व प्रदेश स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। वालीबाल का उद्घाटन मैच महराजगंज की शिवा स्पोर्ट्स क्लब व गुरुकुल महाविद्यालय पुरासी की टीम के बीच खेला गया जिसमें गुरुकुल प्रशिक्षण महाविद्यालय पुरासी की टीम विजयी रही। कबड्डी का मैच आजाद कबड्डी क्लब राघौपुर व बाबा ओरी दास कबड्डी क्लब के मध्य खेला गया इसमें भी गुरुकुल महाविद्यालय की टीम विजेता रही।

नागरिकता संशोधन बिल को लेकर सीओ और एस डीएम महोदय की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

रायबरेली। डीह थाना परिसर में एस डीएम महोदय की अध्यक्षता में हुई पीस कमेटी की मीटिंग पीस कमेटी की अध्यक्षता करते हुए बव राघुवेंद्र चतुर्वेदी जी ने लोगो को आपसी भाईचारा बनाए रखने पर बल दिया और किसी भी उन्माद से दूर रहने की बात कही। एस डीएम महोदय ने बताया कि सरकार के किसी भी बिल का विरोध सड़क पर उतर कर नियम विरूद्ध है, सरकार से कोई भी विरोध लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए न कि सड़क जाम करके किसी का नुकसान करके कतई विरोध न किया जाए ,अगर कोई भी उन्माद करते पाया जाता है तो उसके विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई जरूर की जाएगी। बिल पास होने के बाद कुछ अराजक लोग माहौल खराब करना चाहते है ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरकता कतई फैलाने की कोशिश न करें , सोसल मीडिया पर भी हमारी नजर बनी हुई है, कोई भी सोसल मीडिया के माध्यम से भड़काऊ पोस्ट व अफवाह कतई न फैलाएं।और सभी से आग्रह किया कि किसी भी अफवाह को फैलने से रोकने में आप लोग भी सहयोग करे। प्रशासन भाईचारा की मिसाल व आपसी सौहार्द बिगड़ने नहीं देगा, इसके लिए जो भी आवश्यक कार्यवाही होगी वह किया जाएगा।आगे बताया कि किसी को भी कोई दिक्कत हो तो उच्चाधि ाकारियों से संपर्क कर सकता है। ,प्रध ानसंघ अध्यक्ष रंजीत ,टेकारी प्रधान महेश यादव ,जितेंद्र प्रधान ,सुनील जायसवाल, सोनू प्रधान,अजीज खां, व्यापार मंडल अध्यक्ष सरवन अग्रहरि ,आदि सभी प्रधान एवं सम्भ्रान्त व्यक्ति मौजूद रहे।

सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया पूर्व प्रधानमंत्री का जन्मदिन

अमेठी। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्ध्न अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन सुशासन दिवस के रूप में पूरे जिले में धूमधाम से मनाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया और उनके द्वारा किए गए कार्यो का बखान किया। जायस में नगर पालिका अध्यक्ष महेश

प्रताप सोनकर की अध्यक्षता में जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरोज त्रिपाठी शामिल हुई। कार्यक्रम में घनश्याम महेश्वरी,मंडल अध्यक्ष भानु सोनकर, विवेक महेश्वरी, अशोक जैन, पुलकित महेश्वरी, सिद्धांत जैन आदि मौजूद रहे। भादर में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध यक्ष महिला मोर्चा उपमा सरोज, मंडल अध्यक्ष दिलीप विश्वकर्मा एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बाजारशुकुल में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष जसकरन सिंह के नेतृत्व में जैनबगंज स्थित हनुमान मंदिर पर पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया और उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महेंद्र शुक्ल, राजेश पाडेय, संतोष शुक्ल, बब्बे सिंह, राजू सोनकर, विश्वनाथ, संजय शुक्ल, डा. बृजमोहन यादव आदि पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। जगदीशपुर में जिलाध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी, विश्वकर्मा मंडल ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष रामअंजोर पाल की अगुवाई में अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाई गई।

कंबल की डिलीवरी करने कलेक्ट्रेट आए युवक की मौत

अमेठी। पानीपत से कंबल की डिलीवरी करने ट्रक से आए एक युवक की सोमवार की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिवारजनों को सूचना दी है। हरियाणा के पानीपत निवासी राजेश सिंह (35) सोमवार को जिला मुख्यालय कंबल की आपूर्ति करने वाहन के साथ आया था। इसी दौरान अचानक वह गश खाकर जमीन पर गिर पड़ा। आनन फानन में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार युवक को ठंड लगी थी, जिससे मौत हुई है। कोतवाली प्रभारी परशुराम ओझा ने बताया कि परिजनों को बुलाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह सामने आ सकेगी।

कोहरे के साथ सर्द हवाओं ने बढ़ाई गलन, सब बेहाल

अमेठी। सर्दी का सितम एक बार फिर कहर ढहा रहा है। लगातार पड़ रही ठंड से लोगों का जीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। हवाएं लगातार गलन को बढ़ा रही हैं, जबकि सर्द रातें जानवरों पर भारी पड़ रही है। सोमवार को अधिकतम व न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों को आगामी 24 दिसंबर तक बंद कर दिया है। सोमवार को दिन की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई। पूरे दिन धुंध छाई रही। दोपहर दो बजे के करीब आसमान में सूर्य की चमक दिखी तो लोगों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद जगी थी, लेकिन घंटे भर बाद पुनरू हवाएं चलने से सूर्य बादलों के पीछे छिप गया। वहीं पहाड़ों की ठंडी हवाओं ने पूरे दिन लोगों को हलाकान किया। शीत से कदम मिलाकर चल रहे कोहरे ने जन जीवन को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया है। वहीं ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों में दो दिन का अवकाश घोषित किया है।

गांव हो या शहर हर जगह हाल बेहाल : गांव हो या शहर कड़ाके की सर्दी लोगों को जीना दुश्वार किए हुए है। अलाव के सहारे गांव में लोगों के दिन कट रहे हैं तो शहर में भी हीटर के सहारे लोग गर्मी तलाश रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से जारी शीतलहर अब जानलेवा साबित हो रही है।

चोरों ने भठ्ठे को बनाया निशाना इंजन समेत कुंटलों लकड़ी किया साफ

रायबरेली। नसीराबाद थानाक्षेत्र में चोरों के हौंसले इतने बुलंद होते जा रहें कि चोरों द्वारा आये दिन चोरियों की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इसी क्रम में बीती रात चोरों ने एक ईंट भठ्ठे को निशाना बनाते हुये इंजन समेत करीब पांच कुंटल लकड़ी पार कर दिया।बतातें चलें कि रायपुरटोड़ी निवासी जितेन्द्र तिवारी पुत्र गिरजाशंकर तिवारी का गांव के पास ही मै.गुरू बिक्र फील्ड नाम से ईंट भट्ठा है।जहां उन्होने थाने में तहरीर देते हुये बताया कि बीती रात उनके ईंट भट्ठे पर अज्ञात चोरों द्वारा पंपिंग सेट इंजन व तकरीबन पांच कुंटल लकड़ी चोर उठा ले गये।सुबह जब पीड़ित भठ्ठे पर गया तो चोरी की जानकारी हुयी।वहीं शिकायत मिलते ही पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी।इस बावत थानेदार धीरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि तहरीर मिली है जांच करवायी जा रही है। जल्द ही चोरी का खुलासा किया जायेगा।

जब टीम से बाहर था, अंतरराात्मा की आवाज सुनी : अजिंक्य रहाणे

नयी दिल्ली। पिछले साल वनडे विश्व कप के लिये अनदेखी किये जाने के बाद भारतीय टेस्ट कप्तान अजिंक्य रहाणे के लिये आत्मनिरीक्षण करना काफी सकारात्मक रहा जिसने उन्हें चीजों को स्वीकार करने में मदद की। जब भारतीय टीम के धुरंधर इंग्लैंड में विश्व कप खेल रहे थे तब वह काउंटी

क्रिकेट खेल रहे थे। वह 2015 विश्व कप तक सफेद गेंद के लिये पहली पसंद रहे थे लेकिन इस घटना के बाद उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया और उन्हें महसूस हुआ कि सफलता का पीछा करना हमेशा आदर्श नहीं होता। रहाणे ने कहा, ''कभी कभार हम सफलता का पीछा करने में ज्यादा व्यस्त हो जाते हैं और तब हमें अचानक महसूस होता है कि हमें रूककर, बैठकर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। जब मुझे 2019 विश्व कप के लिये नहीं चुना गया तो मैंने बिलकुल ऐसा ही किया। ''

साउथम्पटन में हैम्पशर के लिये खेलते हुए दो महीने रहने के दौरान उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया। वेस्टइंडीज दौरे पर उन्होंने वापसी की और तीन साल में पहला टेस्ट शतक जड़ा। इसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी एक सैकड़ा जमाया।

रहाणे ने कहा, ''इस समय मैं बहुत अच्छी स्थिति में हूं और यह वेस्टइंडीज श्रृंखला से शुरू हुआ। मैं इंग्लैंड में था, काउंटी क्रिकेट खेल रहा था जिस दौरान मैंने सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर नहीं बल्कि इंसान के तौर पर काफी कुछ सीखा।'' उन्होंने कहा, ''दो महीनों में मैंने सात मैच खेले। इसलिये मैंने सिर्फ मैदान के अंदर की चीजें नहीं सीखीं बल्कि मैदान के बाहर की बातें भी सीखीं। ''

रहाणे ने कहा, ''मैं कभी कभार पार्क में अकेला पैदल चला, कभी कभार जागिंग की। कभी कभार मैं आराम से बैठकर काफी पीते हुए पिछले दिनों के बारे में सोचता। यह भी सोचता कि जब मैंने अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, उससे पहले जब मैं क्लब क्रिकेट या उम्र ग्रुप के क्रिकेट खेलता था तो मैं कैसा महसूस करता था। ''कैरेबियाई टूर में खेलने से पहले रहाणे ने राहुल द्रविड़ से भी बातचीत की और उनसे बेहतर 'गाइड' उनके लिये कोई और नहीं हो सकता था। उन्होंने कहा, ''राहुल भाई से बातचीत ने भी मेरी मदद की कि मुझे अपनी बल्लेबाजी को बिलकुल सरल रखना चाहिए। एक बार में एक मैच के बारे में सोचो। सकारात्मक सोच रखो।'' रहाणे ने कहा, ''अब मैं बहुत ही अच्छी स्थिति में हूं। जो भी पहले हुआ, वह हो चुका है। अब मुझे आगे आने वाली चीजों पर ही ध्यान लगाना होगा।''

इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन 150 टेस्ट खेलने वाले नौवें क्रिकेटर बने

सेंचुरियन। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन 150 या इससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले दुनिया के नौवें क्रिकेटर बन गये हैं। चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले एंडरसन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को यहां अपने 150वें टेस्ट मैच में खेलने के लिये उतरे और उन्होंने पहली गेंद पर ही डीन एल्गर को आउट करके शानदार शुरुआत भी की।

टेस्ट क्रिकेट में अब तक 576 विकेट लेने वाले एंडरसन सर्वाधिक टेस्ट खेलने

वाले क्रिकेटरों की सूची में नौवें स्थान पर हैं। उनके अलावा सचिन तेंदुलकर (200), रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ (दोनों 168), जॉक कैलिस (166), शिवनारायण चंद्रपाल और राहुल द्रविड़ (दोनों 164), एलिलस्टेयर कुक (161) और एलन बोर्डर (156) ने 150 या इससे अधिक टेस्ट मैच खेले हैं।

एंडरसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला की पहली गेंद पर ही विकेट लिया। टेस्ट क्रिकेट में यह नौवां अवसर है जबकि श्रृंखला की पहली गेंद पर कोई बल्लेबाज पवेलियन लौटा। एल्गर से पहले के इंग्लैंड के हर्बर्ट सटक्लिफ और स्टैन वर्थिंगटन, दक्षिण अफ्रीका के जिमी कुक, बांग्लादेश के हनान सरकार, भारत के वसीम जाफर, न्यूजीलैंड के टिम मैकिनटोश और भारत के केएल राहुल श्रृंखला की पहली गेंद पर आउट हो गये थे। हनान सरकार दो बार श्रृंखला शुरू होने पर पहली गेंद पर पवेलियन लौट गये थे। संयोग से दोनों अवसरों पर प्रतिद्वंद्वी वेस्टइंडीज की टीम और गेंदबाज पेड्रो कोलिन्स थे।

हवाई शाट्स खेलना कोई अपराध नहीं है : रोहित शर्मा

मुंबई। भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि हवाई शाट्स खेलना कोई अपराध नहीं है और युवाओं को अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की छूट मिलनी चाहिये। रोहित ने अपना अंतरराष्ट्रीय कैरियर मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में शुरू किया लेकिन वह बाद में सीमित ओवरों के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज बन गए। उन्होंने कहा ,'' बड़े शाट खेलने में कोई बुराई नहीं है। जब हम छोटे थे , तब खूब लप्पे लगाते थे और हमें नेट्स से बाहर कर दिया जाता था क्योंकि आखिर में तो आप नतीजे चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''यदि कोई खिलाड़ी हवाई शाट खेलकर भी आपको नतीजे दे रहा है तो उसमें कोई बुराई नहीं है । युवाओं को ऐसे शाट खेलने की चाहत रहती है। बल्लेबाजी करते समय हर कोई आकर्षक लगना चाहता है लेकिन यह भी जरूरी है कि वे अपना स्वाभाविक खेल दिखाये ।'' रोहित ने कहा, ''हमें इसका ध्यान रखना होगा कि ये गलतियां बारंबार नहीं हो। उसे ध्यान रखना होगा कि अगली बार कैसे खेलना है। शाट खेलना कोई गुनाह नहीं है।'' उन्होंने कहा,''यदि कोई खिलाड़ी अपने हुनर को लेकर आत्मविश्वास से ओतप्रोत है तो मैं उसकी हौसलाअफजाई करूंगा। इन युवाओं पर बल्लेबाजी को लेकर कोई पाबंदियां नहीं होनी चाहिये। उन्हें खुलकर खेलने देना चाहिये । इसी तरह से वे नतीजे देंगे।'' उन्होंने गत चौम्पियन भारत की अंडर 19 टीम को दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के लिये शुभकामना भी दी।

पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ को एमसीजी पर दर्शकों की हूटिंग झेली पड़ी

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट कैलेंडर के सबसे बड़े दिन यानि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर बाक्सिंग डे टेस्ट मैच का पहले दिन आस्ट्रेलिया का कोई भी क्रिकेटर दर्शकों की फब्तियों की उम्मीद नहीं करेगा। लेकिन पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ को गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ इस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। पहले दिन नाबाद 77 रन बनाने वाले स्मिथ ने बाद में कहा, ''क्या ऐसा हुआ? मुझे पता नहीं है।'' आस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट गिरने के बाद स्मिथ जब 80 हजार से अधिक दर्शकों के सामने क्रीज पर उतरे तो कुछ दर्शकों ने तालियां बजायी तो कुछ ने उनकी हूटिंग की। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह हूटिंग स्मिथ पर मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट मैच के दौरान गेंद से छेड़छाड़ के मामले में लगे एक साल के प्रतिबंध के कारण की गयी। स्मिथ तब आस्ट्रेलिया के कप्तान थे। स्मिथ मार्च 2020 में आस्ट्रेलिया की कप्तानी संभालने के योग्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ''जब मैं बल्लेबाजी के लिये क्रीज पर जाता हूं तो वास्तव में ऐसी चीजों पर ध्यान नहीं देता। प्रशंसा हो या आलोचना। मैंने इन पर ध्यान नहीं देना सीख लिया है।''

महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने किया ऐलान, 2020 ने टेनिस को कहेंगे अलविदा

नयी दिल्ली। भारत के महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने बुधवार को घोषणा की कि वह 2020 में खेल को अलविदा कह देंगे और पेशेवर सर्किट पर यह उनका आखिरी सत्र होगा। अपने सुनहरे करियर में 18 ग्रैंडस्लैम युगल समेत सैकड़ों खिताब जीत चुके पेस लंबे समय से खराब फार्म से जूझ रहे हैं। डेविस कप के इतिहास में सबसे सफल युगल मैच जीत चुके पेस 19 साल में पहली बार शीर्ष 100 से बाहर हुए। पेस ने ट्विटर पर लिखा, ''मैं घोषणा करना चाहता हूं कि 2020 पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के तौर पर मेरा आखिरी साल होगा।'' उन्होंने आगे लिखा, ''मुझे 2020 टेनिस कैलेंडर का इंतजार है जिसमे मैं चुनिंदा टूर्नामेंट खेलूंगा, टीम के साथ यात्रा करूंगा और दुनिया भर में अपने दोस्तों और प्रशंसकों के साथ जश्न मनाऊंगा।'' उन्होंने कहा, ''आप सभी की वजह से मैं यहां तक पहुंचा हूं। मैं इस साल आप सभी को शुक्रिया कहना चाहता हूं।'' उन्होंने अपने माता पिता डाक्टर वेस पेस और जेनिफर को धन्यवाद दिया। पेस ने कहा, ''मैं अपने माता पिता को उनके मार्गदर्शन, विश्वास के बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच पाता।'' उन्होंने अपनी बड़ी बहनों और बेटी अयाना को भी धन्यवाद दिया। पेस ने अपने प्रशंसकों से उनसे जुड़ी उनकी पसंदीदा याद भी शेयर करने को कहा

अनुशासन, उनके द्वारा बनाये गए माहौल और बिना शर्त प्यार के लिये धन्यवाद देना चाहता हूं। उनके सहयोग और जिसका हैशटैग होगा 'वन लास्ट रोर। उन्होंने कहा, ''2020 जज्बाती वर्ष होगा और मुझे आप सभी का इंतजार है।''

अंजुम ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में लगातार तीसरा खिताब जीता

भोपाल। भारत के शीर्ष निशानेबाजों में शुमार अंजुम मुद्गिल ने 63वीं राष्ट्रीय चौम्पियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में लगातार तीसरे साल खिताब जीता। तोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल कर चुके अभिषेक वर्मा और यशस्विनी सिंह देशवाल ले 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। मनु भाकर ने सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम पिस्टल स्पर्धाजीती। यह राष्ट्रीय चौम्पियनशिप में उसका सातवां स्वर्ण है। मुद्गिल के वर्ग में तमिलनाडु की एन गायत्री दूसरे और हरियाणा की निश्छल तीसरे स्थान पर रही । वहीं 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में महाराष्ट्र की हर्षदा निठावे और अनिकेत दूसरे स्थान पर रहे।

परिणीति को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान से हटाये जाने की खबरें गलत, प्रवक्ता ने कही ये बात

खबरों के विपरीत बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि अभिनेत्री को ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओश योजना के चेहरे के तौर पर हटाया नही गया है बल्कि अभियान के साथ उनका जुड़ाव दो वर्ष पहले ही समाप्त हो गया था। हरियाणा के अंबाला की रहने वाली अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को 2015 में मनोहर लाल खट्टर सरकार के अभियान का ब्रांड एंबेसडर नामित किया गया था। अभिनेत्री के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'परिणीति चोपड़ा का हरियाणा में 'बेटी

बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के साथ जुड़ाव अप्रैल 2017 में समाप्त हो गया था। इन अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है और हम आपसे इस बारे में रिपोर्टिंग से परहेज करने का अनुरोध करते हैं। ऐसी खबरें थी कि परिणीति चोपड़ा को तब अभियान से हटा दिया गया जब उन्होंने संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे जामिया मिल्लिया इस्लामिया और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की आलोचना की थी। अभिनेत्री ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को ''बर्बर करार दिया था। उन्होंने 17 दिसम्बर को ट्वीट किया था, ''यदि ऐसा ही होगा जब भी कोई नागरिक अपने विचार व्यक्त करेगा, तो सीएबी भूल जाइये, हमें एक विधेयक पारित करना चाहिए और अपने देश को अब एक लोकतंत्रिक देश नहीं कहना चाहिए। अपने मन की बात कहने के लिए निर्दोष व्यक्तियों की पिटाई? बर्बर। बॉलीवुड की कई हस्तियों ने कानून को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी निराशा जतायी है।

आसिम की फैन हुई पारस छाबड़ा की गर्लफ्रेंड आकांक्षा पुरी, कह दी ये बात

टीवी रियेलिटी शो बिग बॉस में इनदिनों जबरदस्त बवाल चल रहा है। आये दिन में घर में तीखी बहस और धक्का–मुक्की देखने को मिल रही है। इन सबके बीच घर में प्यार का किस्सा भी शुरू हो गया है। हम बात कर रहे हैं पारस छाबड़ा और माहिरा शर्मा की। दोनों ने खुलेआम एकदूसरे के लिए प्यार का इजहार करना शुरू कर दिया है। वहीं इसकी खबर पारस छाबड़ा की गर्लफ्रेंड आकांक्षा पुरी को भी है जो बाहर से सबकुछ देख रही हैं। आकांक्षा पहले भी पारस और माहिरा के रिश्ते पर अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुकी हैं। हालांकि अब वह पारस के दुश्मन माने जा रहे आसिम रियाज की तारीफ करती दिख रही हैं। हाल ही में टेलीचक्कर को दिये एक इंटरव्यू में आकांक्षा ने पारस और माहिरा के बारे में खुलकर बातें की। आकांक्षा ने कहा, मुझे दोनों की नजदीकियों से परेशानियां हो रही है। मुझे तब बहुत फनी लगा जब उन्होंने मेरे बारे में कहा कि यह दबाव वाला रिलेशनशिप है और वह रोती रहती हैं। अगर उन्होंने मुझे पहले कभी ऐसा बोला होता तो मैं तुरंत उन्हें छोड़ देती। इस दौरान आकांक्षा ने पारस और आसिम की लड़ाई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि, उस लड़ाई में मुझे पारस का बर्ताव गलत लगा। पारस ऑनेस्ट है और उसका वह बिहेवियर शो में नहीं दिख रहा है।

मुझे लगता है कि उसकी वह क्वालिटीज शो में दिखनी चाहिये जो आसिम दिखा रहा है, इसलिए

वह लोगों को पसंद आ रहा है। आकांक्षा ने यह भी कहा कि, वह पारस के अलावा किसी को टॉप में देखती हैं तो वह आसिम हैं। वह अच्छा गेम खेल रहा है। एक वक्त तक आसिम को कोई नहीं जानता था लेकिन अब सब उस जानते हैं। वहीं मजबूत दावेदारों में आकांक्षा ने शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला का भी नाम लिया। बता दें कि पिछले कुछ समय से पारस और सिद्धार्थ का झगड़ा आसिम से चल रहा है।

अरबाज खान का खुलासा– मलाइका से तलाक के वक्त ऐसा था बेटे का रिएक्शन

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान ने साल 2017 में तलाक ले लिया था। शादी के 19 साल बाद दोनों के तलाक लेने के फैसले ने हर किसी को चौंका दिया था। हालांकि अलग होने के बाद दोनों एकदूसरे के अच्छे दोस्त हैं। अब एक इंटरव्यू में अरबाज खान ने को बेटे की कस्टडी मिलने पर अरबाज ने कहा, मैं उसके लिए हमेशा खड़ा रहता हूं। मलाइका को उसकी कस्टडी मिली थी, मैंने इसके लिए कोई लड़ाई नहीं की क्योंकि मुझे लग रहा था उस समस उसे मां की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा, वो 17 साल का

मलाइका से अलग होने को लेकर अपनी बात रखी है। पिंकविला को दिये एक इंटरव्यू में अरबाज ने कहा, यह बहुत मुश्किल था, लेकिन यह एक जरूरी कदम था। उस समय हमें यह कदम उठाना ही ठीक लगा। इस दौरान अरबाज ने बेटे अरहान के रिएक्शन के बारे में भी खुलकर बात की। अरबाज ने कहा, मेरा बेटा उस समय 12 साल का था और वो सारी चीजों को समझ रहा था। वह जानता था कि क्या हो रहा है। उसे ज्यादा समझाने की जरूरत नहीं पड़ी। मलाइका हो चुका है और जल्द ही 18 साल का हो जायेगा। अब वह खुद यह फैसला कर सकता है कि उसे कहां रहना है। वह बहुत ही प्यारा है। बता दें कि अरहान और मलाइका के बीच एक खास बॉन्डिंग देखने को मिलती है। बताते चलें कि, मलाइका से अलग होने के बाद अरबाज का नाम जॉर्जिया एंड्रियानी के साथ जुड़ रहा है। दोनों कई मौकों पर एकसाथ देखे जाते हैं। दोनों की शादी की खबरें भी आ रही है, हालांकि दोनों ने इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

रेड आउटफिट में बेहद हॉट नजर आईं हुमा कुरैशी

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस हुमा कुरैशी भले ही बड़े पर्दे पर कम नजर आ रही हों लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं। उनकी तस्वीरें और विडियोज कसे इंटरनेट पर वायरल होने में ज्यादा वक्त नहीं लगता है।

अब उनकी कुछ नई तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें वह रेड आउटफिट में बेहद हॉट नजर आ रही हैं। पैंटसूट में दिख रहीं हुमा के ये फोटोज एक ऑक्शन के हैं जिसे उनकी दोस्त सोनम कपूर ने होस्ट किया था। हुमा की इन पिक्चर्स को फैंस काफी लाइक कर रहे हैं और उस पर कॉमेंट भी कर रहे हैं। बीते दिनों हुमा उस वक्त चर्चा में आई थीं जब वह कार्तिक आर्यन की फिल्म 'पति पत्नी और वो' की सक्सेस पार्टी में शामिल हुई थीं। इस पार्टी के कुछ विडियोज सामने आए थे जिनमें कार्तिक और हुमा के बीच नोक–झोंक होती दिख रही है। विडियो सामने के बाद यूजर्स ने दोनों स्टार्स को काफी ट्रोल किया था।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक कपिल देव शुक्ला द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं0:25 लोलेपुर सुलतानपुर उ0प्र0. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट,पो0 व थाना कूरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ0प्र0) से प्रकाशित सम्पादक : **कपिल देव शुक्ला**, मो0 9415739288, 9721748962 सह संपादक : **अंकित ''राधे''**
E-mail: kdshukla.79@gmail.com, वेबसाईट : www.kdnewslive.in समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।